सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
Savitribai Phule Pune University, Pune

हिंदी पाठ्यक्रम
Hindi Syllabus

संबंद्ध महाविद्यालयों के लिए
For Affiliated colleges

बी. ए. द्वितीय वर्ष कला/बी. एस्सी. द्वितीय वर्ष विज्ञान
(तृतीय एवं चतुर्थ अयन)
Third & Fourth Semester

शैक्षिक वर्ष
Academic year

2020-2021

अनुक्रम

बी. ए. द्वितीय वर्ष कला/बी. एस्सी. द्वितीय वर्ष विज्ञान

तृतीय एवं चतुर्थ अयन **(Third & Fourth Semester)**

शैक्षिक वर्ष 2020–21 से

कोर्स नं.	तृतीय एवं चतुर्थ अयन	क्रेडिट	पृष्ठ क्रमांक
बी. ए. द्वितीय वर्ष कला			
MIL (Hindi)	हिंदी भाषा शिक्षण (तृतीय अयन)	2	03
MIL (Hindi)	हिंदी भाषा शिक्षण (चतुर्थ अयन)	2	05

***

बी. ए. द्वितीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2020–2021 से)

तृतीय अयन **(Third Semester)**

पाठ्यचर्या : **MIL (Hindi)** हिंदी भाषा शिक्षण

2 कर्मांक **(Credit)**

उद्देश्य :

1. छात्रों में हिंदी भाषा श्रवण कौशल विकसित करना।
2. छात्रों में हिंदी भाषा संवाद कौशल विकसित करना।
3. छात्रों में हिंदी भाषा वाचन कौशल विकसित करना।
4. छात्रों में हिंदी भाषा लेखन कौशल विकसित करना।
5. हिंदी भाषा–विधि तथा भाषा–व्यवहार से अवगत करना।
6. लघुकथा सृजन कौशल विकसित करना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई– **I**	वर्ण विचार : 1) हिंदी वर्णमाला – परिचय 2) लिपि – परिचय 3) वर्णों का उच्चारण और वर्गीकरण 4) स्वराघात 5) संधि : स्वर संधि, व्यंजन संधि, विसर्ग संधि।	15 तासिकाएँ
इकाई– **II**	भाषा कौशल शिक्षण : लघुकथाओं द्वारा भाषा कौशल शिक्षण (श्रवण, संवाद, वाचन, लेखन) 1) शिक्षा – ज्योति जैन 2) पानी के पेड़ – ज्योति जैन 3) पशुभाषा – ज्योति जैन 4) अपशगुन – ज्योति जैन 5) ममता – डॉ. लता अग्रवाल 6) गरीब का लंच बॉक्स – डॉ. लता अग्रवाल 7) मैं ही कृष्ण हूँ – डॉ. लता अग्रवाल 8) सत्य की अग्नि परीक्षा – डॉ. लता अग्रवाल	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन पूर्णांक : 50

आंतरिक मूल्यांकन : 15 अंक (लघुत्तरी परीक्षा– 10 अंक, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/ क्षेत्रीय अध्ययन– 05 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 35 अंक

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2020–21 से आगे)

समय : 3 घंटे अंक : 35

प्रश्न 1. इकाई– I पर (वर्ण विचार) चार में से कोई दो प्रश्न।	12 अंक
प्रश्न 2. इकाई– II पर (लघु कथा) चार में से कोई दो प्रश्न।	12 अंक
प्रश्न 3. लघुकथा लेखन चार विषयों में से कोई दो विषय।	11 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा शिक्षण – संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी व्याकरण – पं. कामताप्रसाद गुरु, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।

***

बी. ए. द्वितीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2020–2021 से)

चतुर्थ अयन **(Fourth Semester)**

पाठ्यचर्या : **MIL (Hindi)** हिंदी भाषा शिक्षण

2 कर्मांक **(Credit)**

उद्देश्य :

1. छात्रों में वाक्य के भेद से अवगत करना।
2. छात्रों में विशेष प्रकार के वाक्यों से परिचित करना।
3. छात्रों में हिंदी भाषा श्रवण कौशल विकसित करना।
4. छात्रों में हिंदी भाषा संवाद कौशल विकसित करना।
5. छात्रों में हिंदी भाषा वाचन कौशल विकसित करना।
6. छात्रों में हिंदी भाषा लेखन कौशल विकसित करना।
7. हिंदी भाषा–विधि तथा भाषा–व्यवहार से अवगत करना।
8. हिंदी काव्य–गीत सृजन कौशल विकसित करना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई– **I**	वाक्य विचार : वाक्य और वाक्य के भेद 1) साधारण वाक्य 2) मिश्र वाक्य 3) संयुक्त वाक्य 4) संक्षिप्त वाक्य 5) विशेष प्रकार के वाक्य (विधानार्थक, प्रश्नार्थक, निषेधवाचक, आज्ञार्थक, विस्मयादिबोधक, इच्छाबोधक, संदेशसूचक, संकेतार्थक) 6) विरामचिह्न।	15 तासिकाएँ
इकाई– **II**	भाषा कौशल शिक्षण : गोपालदास : 'नीरज' के काव्य–गीत (08 गीत) द्वारा श्रवण, संवाद, वाचन, लेखन कौशल शिक्षण। 1) आदमी हूँ आदमी से प्यार करता हूँ 2) राधा ने माला जपी श्याम की 3) फूलों के रंग से 4) खिलते हैं गुल यहाँ 5) जीवन की बगिया महकेगी 6) लिखे जो खत तुझे	15 तासिकाएँ

	7) आज मदहोश हुआ जारे 8) कारवाँ गुजर गया, गुबार देखते रहे।	

अंक विभाजन पूर्णांक : 50

आंतरिक मूल्यांकन : 15 अंक (लघुत्तरी परीक्षा– 10 अंक, शोध परियोजना / समूह परियोजना / मौखिक प्रस्तुति / क्षेत्रीय अध्ययन– 05 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 35 अंक

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2020–21 से आगे)

समय : 3 घंटे अंक : 35

प्रश्न 1. इकाई– I पर (वाक्य विचार) चार में से कोई दो प्रश्न। 12 अंक

प्रश्न 2. इकाई– II पर (काव्य गीत) चार में से कोई दो प्रश्न। 12 अंक

प्रश्न 3. काव्य–गीत लेखन चार विषय में से कोई दो विषय। 11 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा शिक्षण – संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी व्याकरण – पं. कामताप्रसाद गुरु, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।

***